पत्रिका

May 18, 2023; Rajasthan Patrika; Chennai; Submitted by P S VIJAY RAGHAVAN

आइआइटी मद्रास में स्थापित होगा भारत-इजराइल जल प्रौद्योगिकी केंद्र

इस नए केंद्र का एक प्रमुख उद्देश्य भारतीय आवश्यकताओं के लिए अनुकूलित संदर्भ में इजरायल की सर्वोत्तम प्रौद्योगिकियों के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करना और भारतीय जल क्षेत्र के लिए स्थायी प्रबंधन समाधान पर काम करना होगा।

आइआइटी मद्रास में स्थापित होगा भारत-इजराइल जल प्रौद्योगिकी केंद्र

चेन्नई. इजरायल और भारत सरकार के बीच एक अहम समझौता हुआ है जिसके तहत जल संसाधन प्रबंधन और जल प्रौद्योगिकी में भारत-इजरायल जल प्रौद्योगिकी केंद्र (सीओडब्ल्यूटी) भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान-मद्रास (आइआइटी-एम) के माध्यम से स्थापित किया जाएगा।

आइआइटी-एम की ओर से बुधवार को बताया गया कि केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय (एमओएचयूए) के सचिव मनोज जोशी, आइआइटी-एम के निदेशक प्रोफेसर वी. कामकोटी और भारत में इजरायल के राजदूत नाओर गिलॉन ने नौ मई को नई दिल्ली में आशय पत्र पर हस्ताक्षर किए। विदेश मंत्री एस जयशंकर और उनके इजरायली समकक्ष एली कोहेन भी इस मौके पर मौजूद थे। इस नए केंद्र की स्थापना के लिए एमओएचयूए इजरायल की अंतर्राष्ट्रीय विकास सहयोग एजेंसी माशव के साथ सहयोग करेगा, जो आइआइटी-मद्रास में स्थित होगा।

भारत और इजराइल के बीच इस साझेदारी के बारे में डॉ. लियोर आसफ, जल अताशे, इजराइल दूतावास ने कहा, आइआइटी-मद्रास के साथ साझेदारी बहुत महत्वपूर्ण है और केंद्र सरकार और आइआइटी में हमारे भागीदारों के साथ हम संयुक्त रूप से बेहतरी के लिए काम करेंगे।

आइआइटी मद्रास में स्थापित होगा भारत-इजराइल जल प्रौद्योगिकी केंद्र,
https://www.patrika.com/chennai-news/water-technology-center-in-iitm-8247916/

Newspaper clipping:

आइआइटी मद्रास में स्थापित होगा भारत-इजराइल जल प्रौद्योगिकी केंद्र

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

चेन्नई. इजरायल और भारत सरकार के बीच एक अहम समझौता हुआ है जिसके तहत जल संसाधन प्रबंधन और जल प्रौद्योगिकी में भारत-इजरायल जल प्रौद्योगिकी केंद्र (सीओडब्ल्यूटी) भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान-मद्रास (आइआइटी-एम) के माध्यम से स्थापित किया जाएगा। आइआइटी-एम की ओर से बुधवार को बताया गया कि केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय (एमओएचयूए) के सचिव मनोज जोशी, आइआइटी-एम के निदेशक प्रोफेसर वी. कामकोटी और भारत में इजरायल के राजदूत नाओर गिलॉन ने नौ मई को नई दिल्ली में आशय पत्र पर हस्ताक्षर किए। विदेश मंत्री एस जयशंकर और उनके इजरायली समकक्ष एली कोहेन भी इस मौके पर मौजूद थे। इस नए केंद्र की स्थापना के लिए एमओएचयूए इजरायल की अंतर्राष्ट्रीय विकास सहयोग एजेंसी माशव के साथ सहयोग करेगा, जो आइआइटी-मद्रास में स्थित होगा।

आइआइटी-मद्रास के साथ साझेदारी अहम

इस नए केंद्र का एक प्रमुख उद्देश्य भारतीय आवश्यकताओं के लिए अनुकूलित संदर्भ में इजरायल की सर्वोत्तम प्रौद्योगिकियों के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करना और भारतीय जल क्षेत्र के लिए स्थायी प्रबंधन समाधान पर काम करना होगा। भारत और इजराइल के बीच इस साझेदारी के बारे में डॉ. लियोर आसफ, जल अताशे, इजराइल दूतावास ने कहा, आइआइटी-मद्रास के साथ साझेदारी बहुत महत्वपूर्ण है और केंद्र सरकार और आइआइटी में हमारे भागीदारों के साथ हम संयुक्त रूप से बेहतरी के लिए काम करेंगे।